भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

अगस्त 2024 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

शुष्क सीधी बुआई धान

- *अर्ध गहरा/गहरा जल वाले क्षेत्रों में, जहां सीधी बुआई की गई है और खरपतवार नियंत्रण के लिए शाकनाशी का उपयोग नहीं किया गया है, खेत में पर्याप्त पानी (कम से कम 7-10 सेमी खड़ा पानी) जमा होने के बाद 'बेउषण' किया जा सकता है। 'बेउषण' करने के बाद, अर्ध गहरा एवं गहरा जल क्षेत्रों में 18 किलो यूरिया/एकड़ टॉप ड्रेसिंग के रूप में प्रयोग करें।*
- *वर्षाश्रित उथली निचलीभूमि क्षेत्रों में जहां सीधी बुआई की गई है और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए शाकनाशी का उपयोग नहीं किया गया है, पर्याप्त पानी (कम से कम 7-10 सेमी खड़े पानी) के संचय के बाद 'बेउषण' किया जा सकता है। 'बेउषण' करने के बाद 36 किलो यूरिया/एकड़ टॉप ड्रेसिंग के रूप में प्रयोग करें।*

प्रतिरोपित धान

- *यदि नर्सरी में बकाने रोग दिखाई दे तो संक्रमित पौधों को उखाड़ दें और कार्बेन्डाजिम 12% + मांकोजेब 63% डब्ल्यूपी (साफ़/ सेफ/ सराफा) 2.5 ग्राम/लीटर पानी से छिड़काव करें।*
- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का प्रकोप देखा जाता है, तो एनएसकेई (अजाडिरक्टिन) 800 मिली/एकड़ दर पर या लंबाडा-सायहोलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर पर या थियामेथोजाम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ दर से छिड़काव करें।*
- *बुवाई के 5 दिन बाद नर्सरी के आक्रांत क्षेत्रों में जड़-गाँठ सूत्रकृमि और तना छेधक प्रकोप दिखाई देने पर कार्बोफ्यूरन के दाने 3 ग्राम/वर्गमीटर दर पर या फोरेट 1 ग्राम/वर्मगीटर दर से या डायज़िनॉन 1 ग्राम/वर्गमीटर प्रयोग करें।*
- *यदि अंकुरित पौधों में अंगमारी दिखाई दे तो प्रोपिकोनाजोल 25 ईसी (टिल्ट/ज़ेरोक्स/धान/बम्पर) 1 मिली / 1 लीटर पानी दर से प्रयोग करें।*
- *यदि नर्सरी में पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी (नेटीवो) 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथियोलेन 40ईसी (फुजिता/फुजीओन/सुल्तान) 1.5 मिली प्रति लीटर दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *भूरे धब्बे के मामले में, प्रोपिकोनाज़ोल 25ईसी (टिल्ट/ज़ेरोक्स/धान/बम्पर) 1 मिली की दर से या मैंकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी या कार्बेन्डाजिम 64% + मैनकोज़ेब 8% 75 डब्ल्यूपी (साफ़/ सेफ/सराफा) 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।*
- *धान की नर्सरी में तना छेदक और पत्ता मोड़क फोल्डर के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर पर या करताप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*

- *केस वर्म के मामले में, इंडोक्साकार्ब 15.8% ईसी 80 मिली/एकड़ दर पर या फ्लुबेंडियामाइड 39.35% एससी 20 मिली/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*
- *मुख्य खेत की भूमि की तैयारी 7-10 दिनों के अंतराल पर दो बार खेत को कीचड़दार बनाकर और एक समान फसल स्थापना के लिए भूमि को समतल करना चाहिए। पहली बार खेत को कीचड़दार करने से पहले लगभग 0.8 टन/एकड़ अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर डाला जा सकता है।*
- *मुख्य खेत में, खेत को प्रारंभिक समय पर कीचड़दार करने से पहले ढैंचा हरी खाद की फसल को शामिल करें।*
- *सिंचित/सामान्य वर्षा वाले क्षेत्रों में धान की रोपाई अगस्त के पहले पखवाड़े तक पूरी कर लेनी चाहिए।*
- *अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए, अंतिम बार कीचड़दार करने के समय आधारी मात्रा के रूप में 35 किग्रा डीएपी + 27 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया +100 किग्रा एसएसपी + 27 किग्रा एमओपी डालें। रेतीली मिट्टी में, 35 किग्रा डीएपी और 13.5 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया + 100 किग्रा एसएसपी + 13.5 किग्रा एमओपी डालें।*
- *संकर किस्मों के लिए, खेत को अंतिम बार कीचड़दार के समय आधारी मात्रा के रूप में 53 किग्रा डीएपी +27 किग्रा एमओपी या 26 किग्रा यूरिया +150 किग्रा एसएसपी + 27 किग्रा एमओपी डालें।*
- *जस्ता की कमी वाले क्षेत्रों में, अंतिम भूमि की तैयारी के समय जिंक सल्फेट 10 किग्रा / एकड़ या जिंक-ईडीटीए 6 किग्रा / एकड़ दर पर (दो साल में एक बार) डालें।*
- *बोरॉन की कमी वाली मिट्टी में, अंतिम भूमि की तैयारी के समय 2 किलो प्रति एकड़ की दर से बोरेक्स डालें।*
- *25-30 दिनो वाली पौध की रोपाई 20 x15 सेमी की दूरी पर उथली गहराई पर करनी चाहिए, अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए प्रति पूंजा 2-3 पौध का प्रयोग करें। संकरों के लिए प्रति पूंजा केवल 1-2 पौध का प्रयोग करें।*
- *रोपाई के 5-10 दिनों बाद खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए, दानेदार शाकनाशी बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल 0.6% + प्रीटिलाक्लोर 6% जीआर 4 किग्रा / एकड़ की दर से 4 किग्रा रेत के साथ मिलाकर या खरपतवार निकलने के 8-10 दिन बाद (या जब खरपतवार 2-3 पत्तों की अवस्था में हों) बिस्पाइरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली / एकड़ की दर से 16 लीटर क्षमता के 8 टैंकों में छिडकाव करें।*
- *शीघ्र रोपित धान में, यदि थ्रिप्स की समस्या देखी जाती है, तो किसान नीम के बीज की गिरी आधारित कीटनाशक जैसे अज़ाडिराक्टिन 0.15% 1 लीटर/एकड़ की दर से या लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ की दर से या थियामेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम /एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव कर सकते हैं।*
- *भूरा पौध माहू (बीपीएच) आक्रांत क्षेत्रों में, प्रत्येक 8-10 पंक्तियों की रोपाई बाद एक पंक्ति छोड़ दें।*

- *तना छेदक आक्रांत क्षेत्रों में, अंडा परजीवी ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम 20000 अंडे/एकड़ (3 कार्ड / एकड़) दर पर 3 बार छोड़ दें। साप्ताहिक अंतराल पर ऐसे कम से कम 4 रिलीज़ की आवश्यकता होती है।*
- *तना छेदक और पत्ती फोल्डर के वयस्क कीटों को आकर्षित करने और मारने के लिए 1 प्रकाश जाल/एकड़ की दर से लगाएं।*
- *धान की खेत में तना छेदक और पत्ता मोड़क फोल्डर के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर पर या कार्टैप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ 200 लीटर दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *जब भी दो मुड़ी हुई पत्तियां/पूंजा दिखाई दें तो पत्ता मोड़क को नियंत्रित करने के लिए क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर पर या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ या, करटाप 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम/एकड़ दर से या क्विनालफॉस 25 ईसी 640 मिली/एकड़ 200 लीटर दर से पानी मिलाकर छिड़काव करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे चावल की फसल के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*

कम वर्षा और नहर सिंचाई के पानी की अनुपलब्धता के कारण धान के खेत में नमी की कमी पर सलाह

- *यदि खेत में पर्याप्त नमी हो तो उर्वरकों की टॉप ड्रेसिंग या तो रोपित या सीधी बुआई वाले धान में करें, अन्यथा किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान के खेत में उर्वरकों की टॉप ड्रेसिंग को तब तक के लिए स्थगित कर दें जब तक कि पर्याप्त मिट्टी की नमी या तो वर्षा या सिंचाई के पानी से प्राप्त न हो जाए।*
- *विलंब में रोपाई के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे शीघ्र या मध्यम शीघ्र पकने वाली किस्मों के 25-30 दिनों वाली और लंबी अवधि की किस्मों के 45-50 दिनों वाली पौधों का उपयोग करें। पुरानी पौध को कीचड़दार खेत में उथली गहराई पर 15 x15 सेमी की दूरी पर और 4-5 पौध प्रति पूंजा पर रोपें।*
- *लंबे समय तक सूखे की स्थिति में, यदि सिंचाई का पानी उपलब्ध है, तो धान की फसल में अधिकतम दौजी निकलने की अवस्था के दौरान मिट्टी को संतृप्त बनाए रखने के लिए सिंचाई के पानी की पतली परत बनाए रखें।*
- *जब मिट्टी में पर्याप्त नमी न हो तो चावल के खेत में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए खरपतवार- पूर्व या खरपतवार-पश्चात शाकनाशी का प्रयोग न करें।*

- ***यदि धान की नर्सरी में पोषक तत्वों की कमी के लक्षण (पीलापन) और पत्ती के सिरे का भूरापन दिखाई दे तो 0.5% जिंक सल्फेट + 2.5% यूरिया के मिश्रित घोल का छिड़काव करें।***